

शिक्षा मंत्रालय
MINISTRY OF
EDUCATION
सत्यमेव जयते

ज्ञान-विज्ञान विमुक्तये

मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र एवं हिन्दी विभाग

जामिया मिल्लिया इस्लामिया (केन्द्रीय विश्वविद्यालय), नई दिल्ली

के संयुक्त तत्वावधान में

12 दिन का ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स

"नाथ, सूफी और भक्ति परंपरा का साहित्य हिन्दी, उर्दू तथा पंजाबी साहित्य के संदर्भ में"

17 नवम्बर से 1 दिसम्बर, 2026

सान्निध्य: प्रोफेसर डॉ. मोहम्मद एहसानुल हक (कौसर मज़हरी), विभागाध्यक्ष, उर्दू विभाग, जेएमआई
प्रोफेसर रविंदर कुमार, पंजाबी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय

इस कोर्स को करियर एडवांसमेंट स्कीम की शर्तों को पूरा करने के लिए माना जाएगा।

भागीदारी के लिए पात्रता:

उच्च शिक्षा में कार्यरत हिंदी, उर्दू एवं पंजाबी विषय के शिक्षक, जो विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में पढ़ाते हैं और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग विनियम की धारा 2(f) के तहत् आते हैं, भले ही वे अभी धारा 12 (B) के तहत् योग्यता/अहर्ता न रखते हों, उन्हें इस कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए आमंत्रित किया जाता है। उन महाविद्यालयों के शिक्षक जो अभी धारा 2(f) के दायरे में नहीं आते हैं, लेकिन कम से कम पाँच सालों से किसी विश्वविद्यालय से जुड़े हुए हैं, उन्हें भी हिस्सा लेने की इजाज़त दी जाएगी। राष्ट्रीय महत्त्व के संस्थान में काम करने वाले शिक्षक सदस्य भी हिस्सा लेने के लिए योग्य हैं।

पंजीकरण की प्रक्रिया:

1. अपनी आधिकारिक ईमेल-आईडी का उपयोग करके https://mmc.ugc.ac.in/Registration/Index पर रजिस्टर करें।
2. https://mmc.ugc.ac.in/Login/Index पर लॉग-इन करने के लिए यूज़रनेम और पासवर्ड इसी रजिस्टर्ड ईमेल-आईडी पर भेजे जाएंगे।
3. "अप्लाई फॉर अदर प्रोग्राम" पर क्लिक करें।
4. 'रिफ्रेशर कोर्स' चुनें और उसके लिए आवेदन करें।
5. सेंटर के नाम के रूप में 'जामिया मिलिया इस्लामिया' चुनें और तारीख (17.11.2026 से 01.12.2026) चुनें।
6. अन्य विवरण भरें और 1MB से कम साइज़ वाली पीडीफ फ़ाइल में एनओसी या अंडरटेकिंग* अपलोड करें।
7. अपना फॉर्म सबमिट करें।
8. आपको MMC-UGC पोर्टल से एक ऑटोमेटेड कन्फर्मेशन ईमेल प्राप्त होगा।
9. प्रोग्राम शुरू होने के समय के आस-पास, आपको mttcparticipants@jmi.ac.in से कन्फर्मेशन और आगे की सभी जानकारी प्राप्त होगी।

*जो लोग रजिस्ट्रेशन के समय एनओसी जमा नहीं कर पाए हैं, उन्हें कोर्स पूरा होने से पहले इसे जमा करना होगा; ऐसा न करने पर सर्टिफिकेट जारी नहीं किया जाएगा।

कोई पंजीकरण शुल्क नहीं।

पंजीयन की अंतिम तारीख 15 नवम्बर, 2026

कार्यक्रम की मुख्य विशेषताएँ:

1. नाथ, सूफ़ी और भक्ति परंपराओं की ऐतिहासिक एवं दार्शनिक पृष्ठभूमि से शिक्षकों को परिचित कराना।
2. हिन्दी, उर्दू और पंजाबी साहित्य में इन परंपराओं के विकास और प्रभाव का अध्ययन करना।
3. नाथ, सूफ़ी और भक्ति साहित्य की साझा मानवीय एवं सांस्कृतिक चेतना को रेखांकित करना।
4. मध्यकालीन साहित्य को नए आलोचनात्मक एवं अंतर्विषयी दृष्टिकोणों से पढ़ने की क्षमता विकसित करना।
5. लोकभाषाओं और लोक-संस्कृति के विकास में संत एवं सूफ़ी साहित्य की भूमिका को समझना।
6. जाति, धर्म, संप्रदाय और सामाजिक असमानता के प्रश्नों पर इन साहित्यिक परंपराओं की दृष्टि का विश्लेषण करना।
7. सूफ़ी और भक्ति साहित्य में प्रेम, विरह, ईश्वर, गुरु और आत्मानुभूति की अवधारणाओं का तुलनात्मक अध्ययन करना।
8. हिन्दी, उर्दू और पंजाबी साहित्य के पारस्परिक संबंधों और सांस्कृतिक अंत संवाद को समझना।
9. संत एवं सूफ़ी साहित्य में स्त्री, दलित, श्रमजीवी और अन्य हाशिए के समुदायों की उपस्थिति पर विचार करना।
10. भारतीय बहुलतावादी संस्कृति और साझा विरासत के निर्माण में इन परंपराओं के योगदान को रेखांकित करना ।
11. प्रतिभागियों को प्राथमिक पाठों के आलोचनात्मक एवं तुलनात्मक अध्ययन के लिए प्रशिक्षित करना।
12. शिक्षण, शोध और पाठ्यक्रम निर्माण में इन साहित्यिक परंपराओं के समकालीन महत्त्व को स्थापित करना।

संपर्क विवरण

समन्वयक: प्रोफेसर नीरज कुमार, विभागाध्यक्ष, हिंदी विभाग, जेएमआई (मोबाइल: 9312225213)

रजिस्ट्रेशन, NOC वगैरह से जुड़े सवालों के लिए कृपया ईमेल करें:

mmttcparticipants@jmi.ac.in

अन्य किसी भी सवाल के लिए, आप MMTTC, JMI ऑफिस में सुबह 10.00 बजे से शाम 5.00 बजे के बीच संपर्क कर सकते हैं।

डॉ. शाहला तरन्नुम: 9811991993, अमीर उल्ला सिद्दीकी: 9868750604